एचआईवी / एड्स

NACO

संचरण

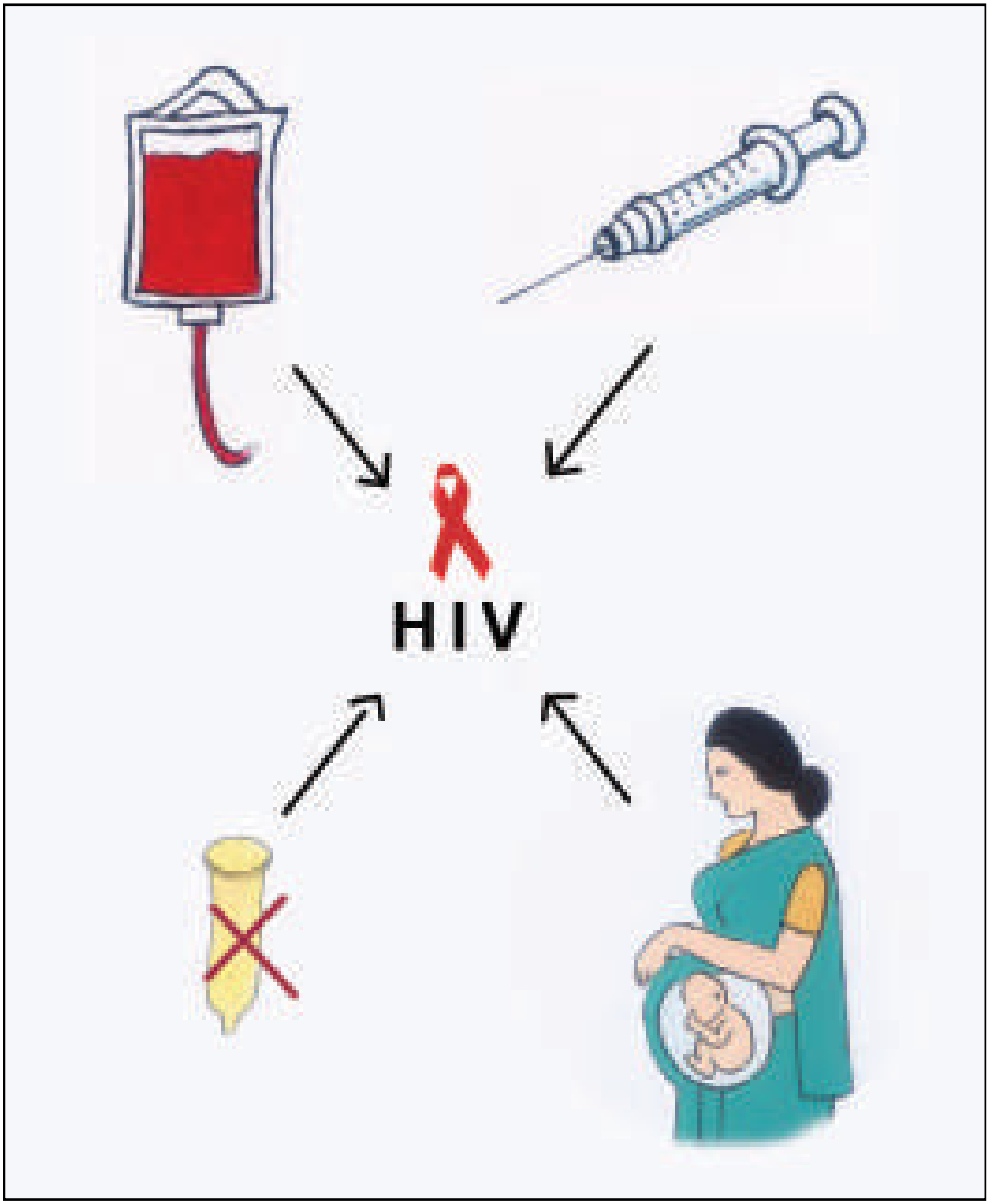

संचरण

एचआईवी निम्नलिखित माध्यमों से फैलता है :

1. संक्रमित खून से ।

2. संक्रमित सुइयों सें ।

3. असुरक्षित संभोग के दौरान शारीरिक द्रव्यों से ।

4. संक्रमित माँ से शिशु में गर्भावस्था के दौरान, प्रसव के दौरान या स्तनपान कराने में ।

संचरण

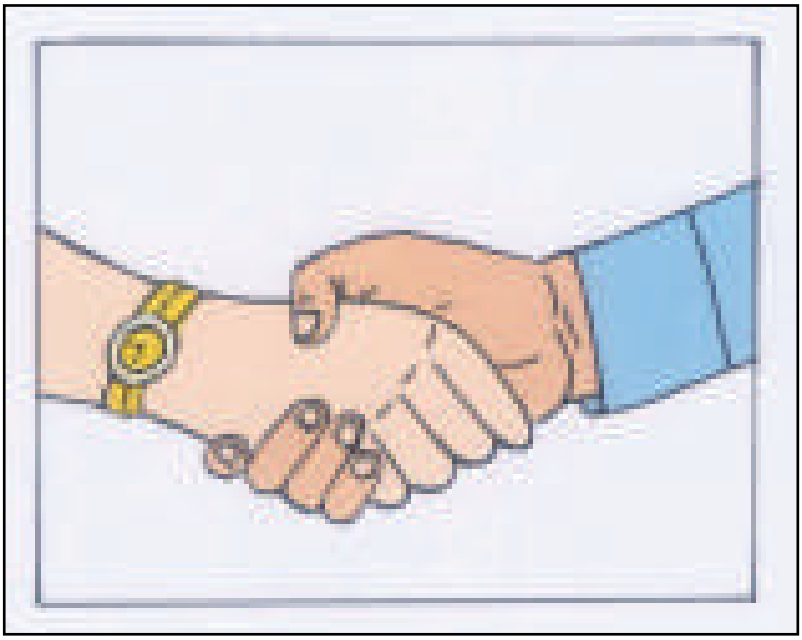

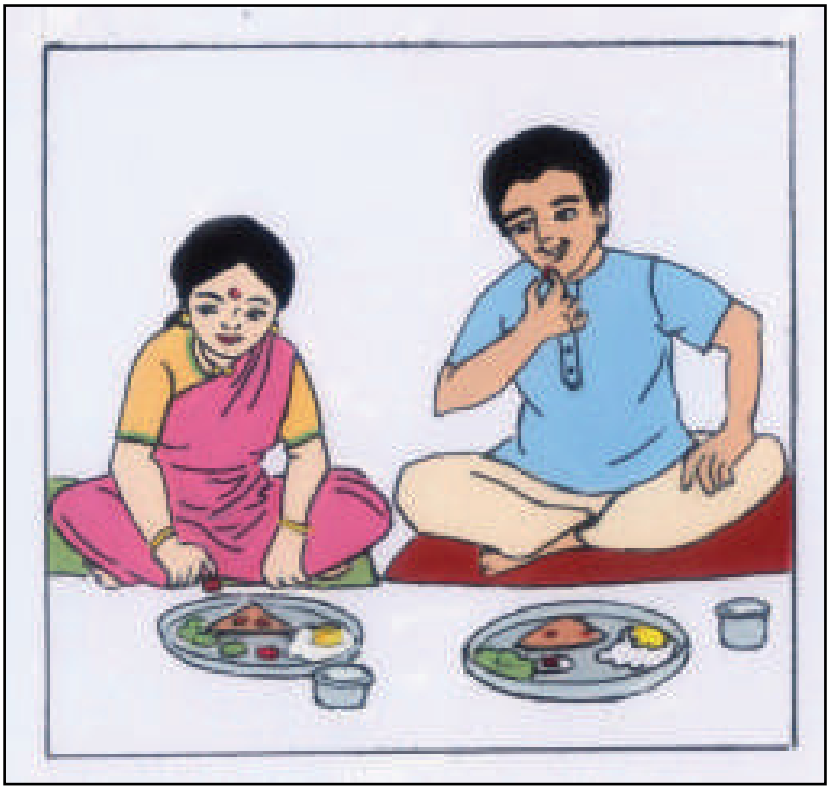

संचरण

एचआईवी निम्नलिखित कारणों से नहीं फैलता है :–

संक्रमित व्यक्ति के साथ खाना खाने से, हाथ मिलाने से, छींकने से, बर्तन व कपड़े आदि बाँटने से ।

बचाव

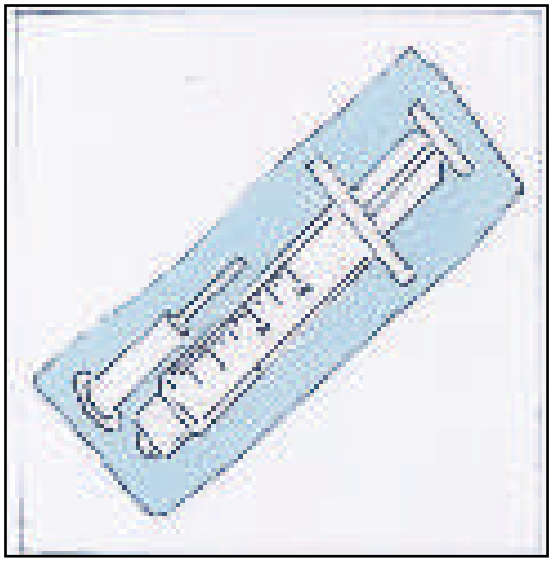

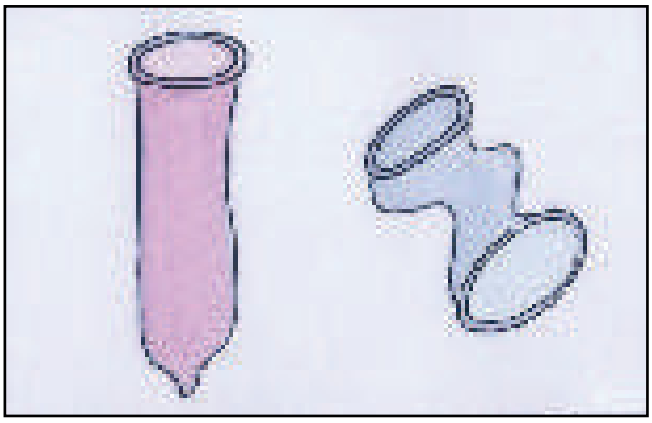

बचाव

1. डिस्पोज़बल (जिन्हें एक बार प्रयोग करके फेंक देते हैं) या विसंक्रमित सुइयों का उपयोग करें ।

2. प्रसव के दौरान उचित सावधानियाँ रखने से जिससे शिशु को एचआईवी संक्रमण से बचाया जा सके।

3. कंडोम का सही और लगातार उपयोग ।

जाँच

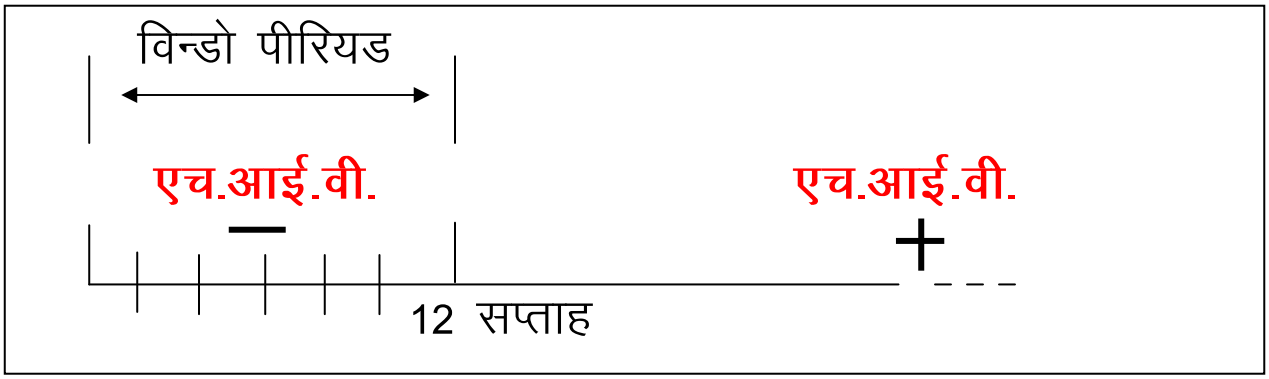

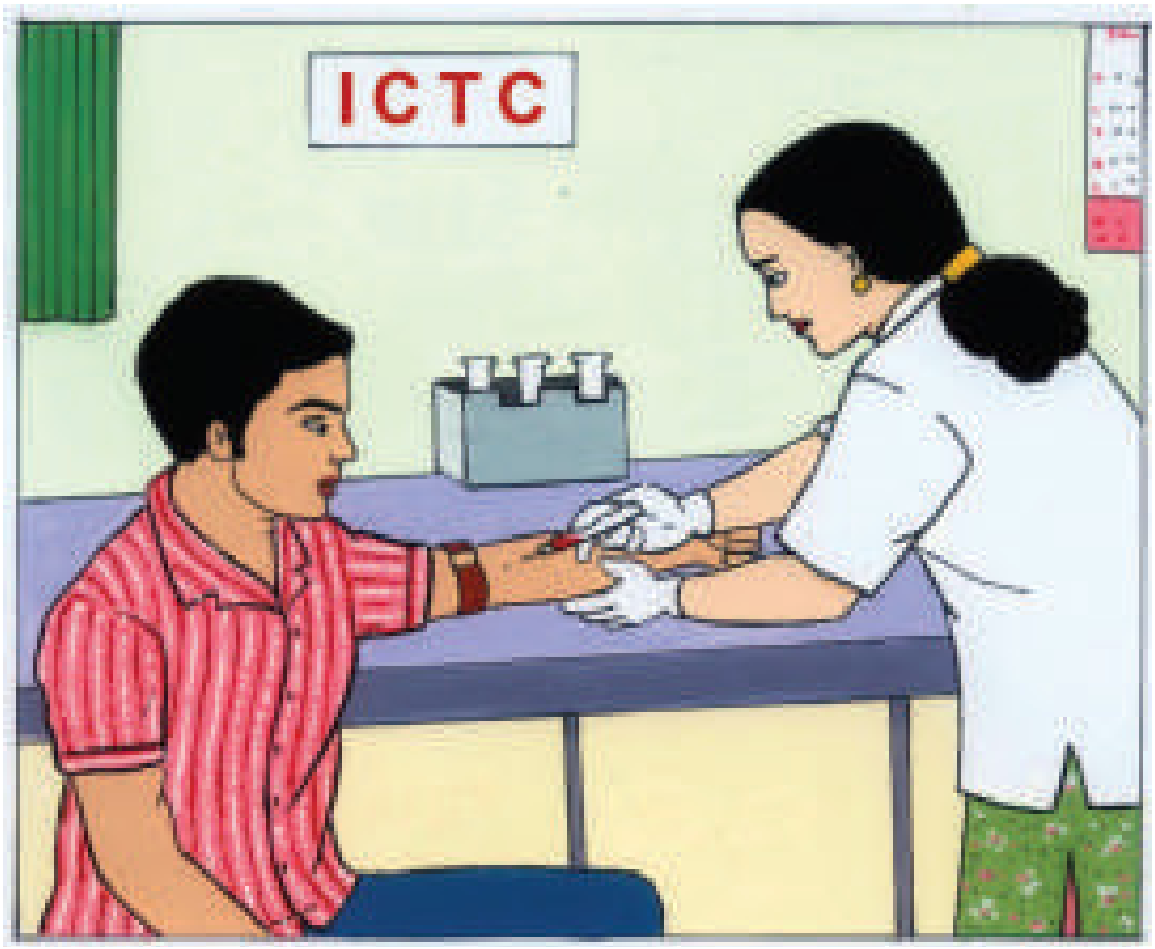

जाँच

1. जब एचआईवी वॉयरस हमारे शरीर में प्रवेश करता है तब प्रतिक्रिया स्वरूप हमारा शरीर एन्टीबॉडीज़ (रोग प्रतिकारक) बनाता है ।

2. एचआईवी जांच से पता चलता है कि एन्टीबॉडीज़ हमारे खून में हैं या नहीं ।

3. आईसीटीसी में जांच गोपनीय वातावरण में की जाती है ।

4. एन्टीबॉडीज़ बनने में लगभग 12 सप्ताह लगते हैं। इस समय को ''विन्डो पीरियड'' कहा जाता है । यदि पहली बार में जांच का परिणाम निगेटिव आए तो जांच दोबारा से की जा सकती हैं क्योंकि हो सकता है पहली बार जांच कराते समय व्यक्ति विन्डो पीरियड में हो।

जटिलताएं

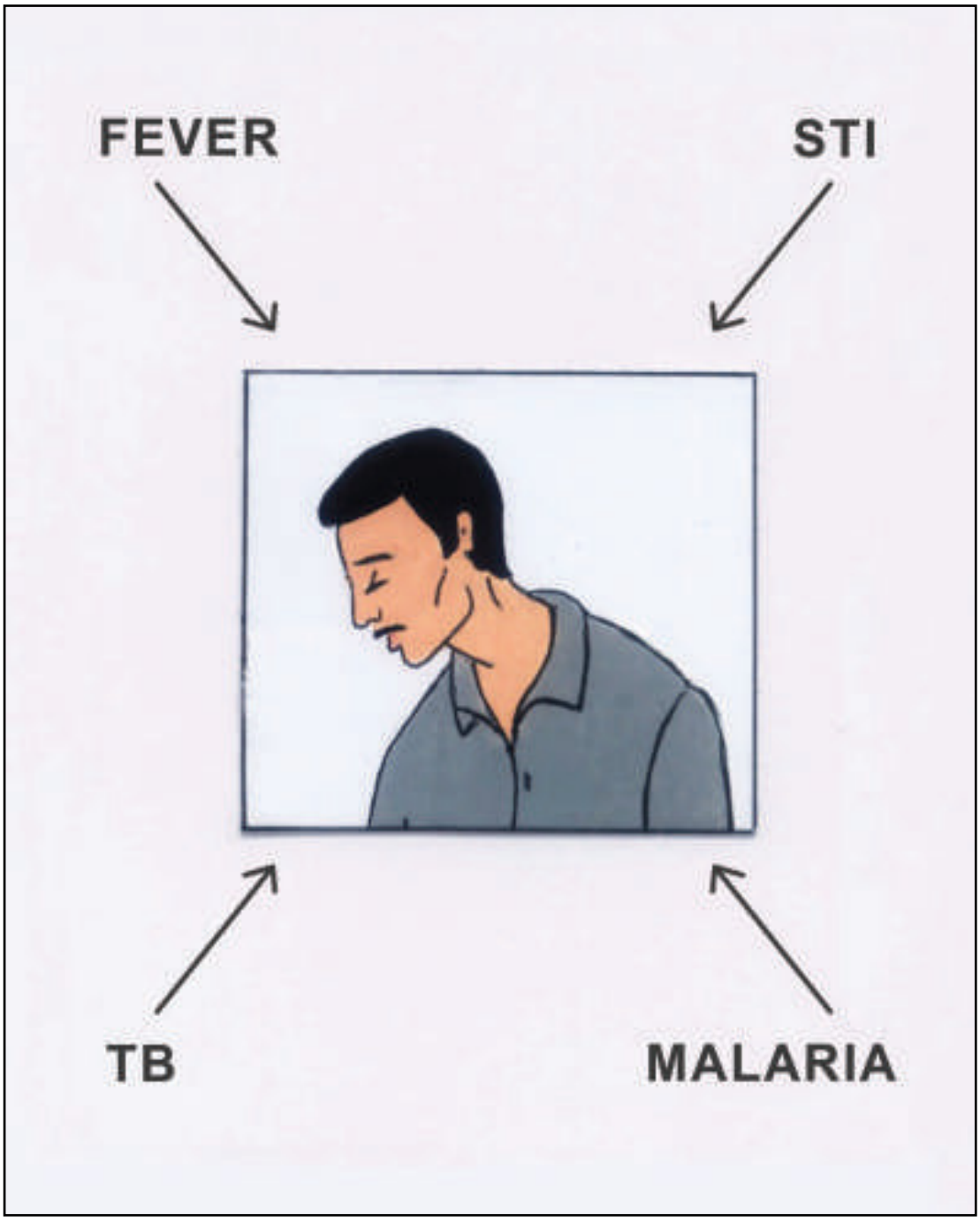

जटिलताएं

1. अवसरवादी संक्रमण

- जब एक व्यक्ति एचआईवी से संक्रमित हो जाता है तब उसके शरीर की सफेद रक्त कणिकाओं **(WBC)** की प्रतिरोधक क्षमता कम हो जाती है । यह कणिकाएं हमारे शरीर की रक्षा करती हैं ।
- अवसरवादी संक्रमण शरीर की प्रतिरोधक क्षमता में कमी आने के कारण होते हैं।

जटिलताएं

8 – 10 साल

एच.आई.वी. ⟶ एड्स

जटिलताएं

एड्स

- जब शरीर की प्रतिरोधक क्षमता कम हो जाती है और शरीर संक्रमण से अपना बचाव नहीं कर पाता है तब उसे एड्स की अवस्था कहते हैं।
- समान्यतः संक्रमित होने के बाद एड्स होने में 8 से 10 साल लगते हैं । यह समय हर व्यक्ति के अनुसार अलग अलग हो सकता है।

एआरटी

एआरटी

1. ए.आर.टी. ''एन्टी रिट्रोवायरल थेरेपी'' है।

2. यह उपचार एच.आई.वी. पॉज़िटिव व्यक्तियों में संक्रमण का नियंत्रण करने के लिए दिया जाता है।

3. यह दवाइयाँ एच.आई.वी. के इलाज के लिए नही है। यह केवल शरीर में वायरस को और ज़्यादा बढ़ने से रोकती हैं।

4. डाक्टर की सलाह पर ए.आर.टी. की दवाएं मरीज़ द्वारा नियमित ली जानी चाहिए।

5. एक बार दवाएं शुरू हो जाने के बाद व्यक्ति को जीवन भर यह दवाएं लेनी पड़ती हैं।

6. सरकारी अस्पतालों में ए.आर.टी. की दवाएं निःशुल्क मिलती है।

रेफरल

रेफरल

परियोजना एच.आई.वी संक्रमित व्यक्तियों को स्वयंसेवी संस्थाओं द्वारा दी जा रही सहयोग एवं देखभाल संबंधी सेवाओं को प्राप्त करने में मदद करती है।

Translated by TSU/UPSACS